

अमेरिकी टैरिफ नीति: भारत के लिए सौगात

ट्रिपोर्ट ने दबावः भारत को निवेश हब बनाने का मौका

नई दिल्ली। अमेरिका की नई टैरिफ नीति भारत के लिए फायदमंद साबित हो सकती है। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका भारत पर तय टैरिफ से कम टैरिफ देंडों पर खाग कर सकता है। वहाँ दूसरी तरफ देंडों पर ऐपरिफिक के कई देशों को भारी टैरिफ का समान करना पड़ेगा। इससे भारत में विदेशी निवेश के अवसर बढ़ सकते हैं और देश के मैन्युफ्क्चरिंग क्षमता को मजबूती मिल सकती है।

अरिहंत कंपियल की रिपोर्ट के मुताबिक भारत कई अन्य एशियाई देशों को तुलना में अमेरिका के नए टैरिफ सिस्टम में बहतर स्थिति में है। इससे भारत के पास निवेश के आवधि करने और मैन्युफ्क्चरिंग बढ़ बनाने के लिए बड़ा मौका है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि कंपनियां और वित्तनाम जैसे देशों को जहाँ अधिक टैरिफ झेलना पड़ रहा है।

भारत परिषेय समझौते और लोबल ट्रेड फोर्म में बदलाव का लाभ उठा सकता है। ट्रम्प ने 8 जुलाई को जापान के प्रधानमंत्री शिंजिया और दिक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जै-म्युंग को औपचारिक लिटर भेज कर टैरिफ की जानकारी दी थी। बाद में मैन्युफ्या और काजिकिस्तान को भी इसी तरह के लिटर रिपोर्ट में इसे घेजे गए। हालांकि भारत को अभी तक भारत के लिए अच्छा संकेत बताया गया है। एक्सप्ट्रेट के मुताबिक अमेरिका



ब्राजील के राष्ट्रपति ने 50 प्रतिशत टैरिफ पर ट्रम्प का किया विरोध

ब्राजीलीया। ब्राजील के समानों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का विरोध करते हुए राष्ट्रपति लुइज इनियोसे लुला दा सिल्वा ने कहा है कि ब्राजील एक संप्रभु राष्ट्र है जिसके पास व्यक्तिगत संस्थाएँ हैं और वह 'किसी भी प्रधान की नीसीहत नहीं स्कॉर्क कर सकते'। सेपाल ब्राजीलिया पर ट्रम्प की टिप्पणी की नीसीहत नहीं स्कॉर्क कर सकते।

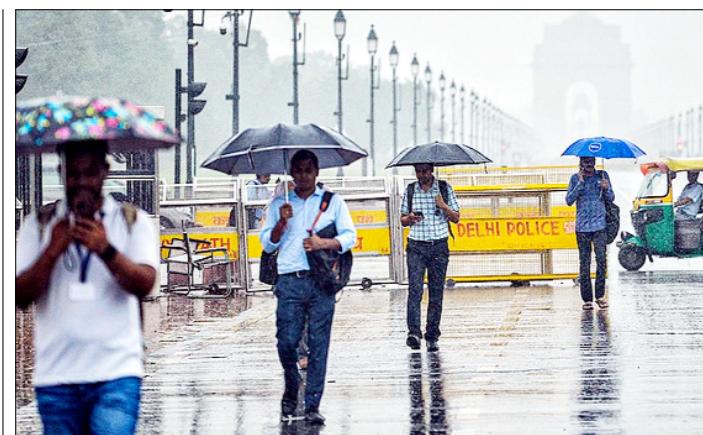
ब्राजीलीया के लोकतान्त्रिक संस्थाओं या न्यायिक प्रक्रियाओं में बाहरी हस्तांतर बदलाव को साशल मीडिया पर दिए गए साक्षातिक बयान के बायन में खरें हुए निम्नलिखित बातों पर प्रकाश डालना जरूरी है कि ब्राजील एक संप्रभु राष्ट्र है जिसके सांत्रं संस्थान नहीं करेगा। लुला ने 'एक्स' पर कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा बुधवार का बोलना भी प्रकाश डालना जरूरी है कि ब्राजील एक संप्रभु राष्ट्र है जिसके सांत्रं संस्थान नहीं करेगा। और वह किसी भी प्रकाश की नीसीहत नहीं स्कॉर्क कर सकते। अमेरिका और ब्राजील की बीच व्यापार असंतुष्ट को सिरे से खारिज करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि टैरिफ वृद्धि का मसला ब्राजील के अधिक पारस्परिक कानून के अनुसार निपटाया जाएगा।

भारत के लिए अच्छा संकेत बताया गया है। एक्सप्ट्रेट के मुताबिक अमेरिका

■ कई अन्य एशियाई देशों की तुलना में अमेरिका के नए टैरिफ सिस्टम में बहतर स्थिति में
■ कई देशों पर 22 प्रतिशत से लेकर 50 प्रतिशत तक के टैरिफ लगाए गए

भारत को स्ट्रैटिजिक पार्टनर होने के नाते रियायत दे सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका की स्थिति बाकी देशों की तुलना में भारत के पास निवेश के आवधि करने और मैन्युफ्क्चरिंग बढ़ बनाने के लिए बड़ा मौका है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि कंपनियां और वित्तनाम जैसे देशों को जहाँ अधिक टैरिफ झेल जाना पड़ रहा है।

भारत परिषेय समझौते और लोबल ट्रेड फोर्म में बदलाव का लाभ उठा सकता है। ट्रम्प ने 8 जुलाई को जापान के प्रधानमंत्री शिंजिया और दिक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जै-म्युंग को औपचारिक लिटर भेज कर टैरिफ की जानकारी दी थी। बाद में मैन्युफ्या और काजिकिस्तान को भी इसी तरह के लिटर रिपोर्ट में इसे घेजे गए। हालांकि भारत को अभी तक भारत के लिए अच्छा संकेत बताया गया है। एक्सप्ट्रेट के मुताबिक अमेरिका



नई दिल्ली। विजय थौक पर बाइंश से बचने के लिए छाता लगाकर जाते थाएँ।

ट्रम्प पर हमले के मामले में सीक्रेट सर्विस के 6 एजेंट संघर्ष

बॉसिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर पिछले साल हुए जानवार हाले के दोरान सुक्षम में चक्र के आरोप में सीक्रेट सर्विस के 6 एजेंटों को प्रैल आर्स यॉजनाएँ और एड डील्स की वर्जन से भारत को इलेक्ट्रोनिक्स, फार्मा, ऑटो और टेक्सासटाइल जैसे क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने का मौका देगा। कठा है।

इसके फायदा उठाकर भारत ग्लोबल स्प्लाई चेन का अहम हिस्सा बन सकता है। भारत के लोकतान्त्रिक संस्थाओं या न्यायिक प्रक्रियाओं में बाहरी हस्तांतर बदलाव की टिप्पणी की नीसीहत नहीं स्कॉर्क कर सकते। और अपनी लोकतान्त्रिक संस्थाओं की नीसीहत नहीं स्कॉर्क कर सकते। अमेरिका और ब्राजील की धूमधारा वृद्धि का मसला ब्राजील के अधिक पारस्परिक कानून के अनुसार निपटाया जाएगा।

इनमें कई देशों पर 25 प्रतिशत से लेकर 50 प्रतिशत तक के टैरिफ लगाए गए हैं।

हो गए थे। इस हमले में ट्रम्प की रैली में शामिल एक फायरफाइटर कोरोना व्यारायर की मौत हो गई थी।

जबाबी कारबोवाई में मौके पर मौजूद सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावार थॉमस सैम्यूक्रूजस (20 वर्ष) को गांती मार दी थी। सस्पैंड किए गए एजेंटों को कानों को लगाई हुई निकल गई थी। और वह धायल अपील का अधिकार दिया गया है।

हो गए थे। इस हमले में ट्रम्प की रैली में शामिल एक फायरफाइटर कोरोना व्यारायर की मौत हो गई थी।

जबाबी कारबोवाई में मौके पर मौजूद सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावार थॉमस सैम्यूक्रूजस (20 वर्ष) को गांती मार दी थी। सस्पैंड किए गए एजेंटों को कानों को लगाई हुई निकल गई थी।

हो गए थे। इस हमले में ट्रम्प की रैली में शामिल एक फायरफाइटर कोरोना व्यारायर की मौत हो गई थी।

जबाबी कारबोवाई में मौके पर मौजूद सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावार थॉमस सैम्यूक्रूजस (20 वर्ष) को गांती मार दी थी। सस्पैंड किए गए एजेंटों को कानों को लगाई हुई निकल गई थी।

हो गए थे। इस हमले में ट्रम्प की रैली में शामिल एक फायरफाइटर कोरोना व्यारायर की मौत हो गई थी।

जबाबी कारबोवाई में मौके पर मौजूद सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावार थॉमस सैम्यूक्रूजस (20 वर्ष) को गांती मार दी थी। सस्पैंड किए गए एजेंटों को कानों को लगाई हुई निकल गई थी।

हो गए थे। इस हमले में ट्रम्प की रैली में शामिल एक फायरफाइटर कोरोना व्यारायर की मौत हो गई थी।

जबाबी कारबोवाई में मौके पर मौजूद सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावार थॉमस सैम्यूक्रूजस (20 वर्ष) को गांती मार दी थी। सस्पैंड किए गए एजेंटों को कानों को लगाई हुई निकल गई थी।

हो गए थे। इस हमले में ट्रम्प की रैली में शामिल एक फायरफाइटर कोरोना व्यारायर की मौत हो गई थी।

जबाबी कारबोवाई में मौके पर मौजूद सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावार थॉमस सैम्यूक्रूजस (20 वर्ष) को गांती मार दी थी। सस्पैंड किए गए एजेंटों को कानों को लगाई हुई निकल गई थी।

हो गए थे। इस हमले में ट्रम्प की रैली में शामिल एक फायरफाइटर कोरोना व्यारायर की मौत हो गई थी।

जबाबी कारबोवाई में मौके पर मौजूद सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावार थॉमस सैम्यूक्रूजस (20 वर्ष) को गांती मार दी थी। सस्पैंड किए गए एजेंटों को कानों को लगाई हुई निकल गई थी।

हो गए थे। इस हमले में ट्रम्प की रैली में शामिल एक फायरफाइटर कोरोना व्यारायर की मौत हो गई थी।

जबाबी कारबोवाई में मौके पर मौजूद सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावार थॉमस सैम्यूक्रूजस (20 वर्ष) को गांती मार दी थी। सस्पैंड किए गए एजेंटों को कानों को लगाई हुई निकल गई थी।

हो गए थे। इस हमले में ट्रम्प की रैली में शामिल एक फायरफाइटर कोरोना व्यारायर की मौत हो गई थी।

जबाबी कारबोवाई में मौके पर मौजूद सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावार थॉमस सैम्यूक्रूजस (20 वर्ष) को गांती मार दी थी। सस्पैंड किए गए एजेंटों को कानों को लगाई हुई निकल गई थी।

हो गए थे। इस हमले में ट्रम्प की रैली में शामिल एक फायरफाइटर कोरोना व्यारायर की मौत हो गई थी।

जबाबी कारबोवाई में मौके पर मौजूद सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावार थॉमस सैम्यूक्रूजस (20 वर्ष) को गांती मार दी थी। सस्पैंड किए गए एजेंटों को कानों को लगाई हुई निकल गई थी।

हो गए थे। इस हमले में ट्रम्प की रैली में शामिल एक फायरफाइटर कोरोना व्यारायर की मौत